परिचय

राजकीय महाविद्यालय अर्की की स्थापना वर्ष 1994 में सह शिक्षा संस्थान के रूप में हुई थी। यह महाविद्यालय अर्की और कुनिहार के मध्य बातल गांव की सीमा के साथ लगता है। महाविद्यालय में सड़क मार्ग से पहुंचा जा सकता है। यह महाविद्यालय जिला शिमला एवं जिला बिलासपुर की सीमाओं के साथ लगती अर्की तहसील में स्थित है। महाविद्यालय परिसर में वाया चंडीगढ़, वाया बिलासपुर तथा वाया शिमला पहुंचा जा सकता है। यह अर्की चंडीगढ़ सड़क मार्ग पर स्थित है। चंडीगढ़ से इसकी दूरी 85 किलोमीटर, शिमला से 39 किलोमीटर तथा बिलासपुर से 66 किलोमीटर है। वर्तमान समय में इस महाविद्यालय में बीए, बीएससी, बीकॉम, बीसीए, पीजीडीसीए के अतिरिक्त एमए इतिहास तथा एमए अंग्रेजी विषय पढ़ाए जा रहे हैं।

संरक्षक

श्रीमती सुनीता शर्मा

प्राचार्या

संयोजक

डॉ. राजन तनवर

94189-78683

प्रबंधन सचिव

डॉ. मस्तराम

94180-54043

प्रबन्धकीय समिति

डॉ. पूजा कश्यप
89882-47622

डॉ. वीना शर्मा
89882-46685

डॉ. संजीव कुमार
87448-31959

डॉ. धनदेव शर्मा
98059-77375

डॉ. अमित
98820-88110

परामर्शदात्री समिति

डॉ. संदीप गुप्ता
98160-69707

डॉ. हेमराज सूर्या
98160-95440

श्री सोहन नेगी
86288-70007

श्री संदीप कुमार शर्मा
98059-39001

श्री चमन पिस्टा
82190-76927

राजकीय उत्कृष्ट महाविद्यालय, अर्की

(नैक द्वारा बी ग्रेड प्रत्यायित)

तहसील अर्की, ज़िला सोलन, हि.प्र.

एवं

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

के संयुक्त तत्वावधान में

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

आयोजित करने जा रहा है।

संगोष्ठी का विषय है

समकालीन साहित्य में विविध विमर्श

दिनांक 27- 28 सितंबर, 2024

संगोष्ठी की प्रासंगिकता

वर्तमान समय विविध विमर्शों का समय है। विमर्शवादी साहित्य का आरंभ सन 1970 के आसपास माना जाता है। विमर्शों से ही हिंदी साहित्य समृद्ध और सुदृढ़ हो रहा है। इन विमर्शों की चर्चा एक मंच पर किए जाने की आवश्यकता है। ऐसे विमर्श हिंदी साहित्य की रीढ़ की हड्डी बन चुके हैं। ये विमर्श हिंदी साहित्य को समृद्ध कर रहे हैं। विमर्शवादी साहित्य के अध्येताओं, शोधार्थियों एवं प्राध्यापकों को एक मंच पर एकत्रित करके विचार विमर्श करना इस संगोष्ठी का उद्देश्य है।

विषय : समकालीन साहित्य में विविध विमर्श

उप विषय :

- पर्यावरण विमर्श
- स्त्री विमर्श
- दलित विमर्श
- ट्रांसजेंडर विमर्श
- जनजातीय विमर्श
- अल्पसंख्यक विमर्श
- आपदा विमर्श
- अप्रवासीय विमर्श
- विमर्श के आईने में हिंदी पत्रकारिता
- आर्थिक पिछड़ापन- एक अनसुलझा विमर्श
- ग्रामीण परिवेश पर बैंकिंग, आर्थिक, कर तथा प्रौद्योगिकी से संबद्ध विमर्श
- लोक साहित्य एवं लोक संगीत से संबद्ध विमर्श

एवं

- अन्य विमर्श

शोध सारांश शब्द सीमा

शोध सारांश शब्द सीमा - 250 से 300 शब्द दिनांक 30 अगस्त, 2024 तक **Krutidev10** तथा यूनिकोड फॉन्ट पर टाइप करके **hindisangoshtigcarki2024 @gmail.com** पर पहुंच जाने चाहिए।

अन्तिम तिथि

पूर्ण शोधपत्र प्राप्ति की अंतिम तिथि 10 सितंबर, 2024 है। प्रतिभागी शोधपत्र की हार्ड कॉपी संगोष्ठी स्थल पर अवश्य जमा करवाएं।

प्रकाशन

चयनित शोध पत्रों का प्रकाशन आईएसबीएन स्तर की पुस्तक में संगोष्ठी उपरांत किया जाएगा।

मानदेय

मुख्य वक्ताओं, वक्ताओं एवं शोध पत्र प्रस्तुत कर्ताओं को ए. सी. टू-टीयर (मुख्य अतिथि, मुख्य वक्ता, बीज वक्ता) तथा एसी थ्री-टीयर एवं सामान्य बस किराया अन्य के लिए भुगतान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त वरीयता क्रम में सम्मानित मानदेय देने का भी प्रावधान है।

पंजीकरण शुल्क

	अग्रिम भुगतान	ऑन स्पॉट
प्राध्यापक	₹ 1000/-	₹ 1500/-
शोधार्थी	₹ 500/-	₹ 600/-

MODE OF PAYMENT :
Mode of Payment Online/ Cash

ACCOUNT NAME :
PRINCIPAL GOVT. COLLEGE, ARKI

BANK NAME :
JOGINDRA BANK, ARKI

ACCOUNT NO.:
100134029100081

IFSC CODE :
YESB0JCCB01

Website : www.gcarki.hp.gov.in